(ग) यदि हां, तो सरकार किन-किन संस्थानों को यह कार्य सौंपने का विचार रखती है और यदि इन परीक्षणों के परिणाम आशाजनक हों तो सरकार इस चिकित्सा पद्धति के संवर्द्धन तथा आवश्यक आयुर्वेदिक दवाओं की उपलब्धता और साथ ही उनके निर्माण के लिए आवश्यक वनस्पतीय तत्वों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाने का विचार रखती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा) :(क) जी, हां ।

(ख) और (ग) बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय में ब्राह्मी का इस्तेमाल करके किए गए क्लिनिकल अध्ययनों और केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा इस के कुछ सक्रिय घटकों का इस्तेमाल करके पशुओं पर किए गए प्रयोगों से पढ़ने और याद रखने पर सामान्य लाभदायक प्रभाव पड़ने का पता चला है ।

आयुर्वेदिक व्यवसाय द्वारा यादाश्त में सुधार करने के लिए शताब्दियों से ब्राह्मी का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है ।

भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से असली आयुर्वेदिक औषधें तैयार करने और उपलब्ध करने हेतु मोहान, उत्तर प्रदेश में इंडियन मेडिसिन फार्मास्यूटिकल कारपोरेशन लिमिटेड की स्थापना की थी और उसकी ऐसे औषधि पादपों, जिनकी अधिक मांग है, की खेती करने और विकास करने की एक योजना भी है ।

दिल्ली के अस्पतालों में "कैट-स्कैन" की सुविधा

1192. **श्री भया सिंह** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में "कैट-स्कैन" की सुविधाओं का अभाव है और जिन अस्पतालों में "कैट-स्कैन" की सुविधा उपलब्ध है वहां पूरे सर्जन नहीं हैं तथा जिन अस्पतालों में सर्जन हैं वहां मशीनें खराब पड़ी हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस मामले में क्या उपचारात्मक कदम उठाये जाने का विचार है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा) :(क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) ये प्रश्न नहीं उठते ।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के रोगियों की चिकित्सा

1193. **श्री कामेश्वर पासवान** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में देश भर से चिकित्सा हेतु आए रोगियों में बिहार तथा उत्तर प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के रोगियों की संख्या अधिक होती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि चिकित्सा हेतु संस्थान में भर्ती न मिलने पर उन्हें पेड़ों अथवा खुले आसमान के नीचे ठहरने को विवश होना पड़ता है ;

(ग) यदि हां, तो क्या उनका मंत्रालय संस्थान के वार्डों, विशेषकर हृदय रोग और कैंसर जैसी घातक बीमारियों वाले रोगियों के वार्डों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रहा है ;

(घ) क्या उनका मंत्रालय इस संस्थान में रोगियों की चिकित्सा की अवधि के दौरान उनके ठहरने हेतु कोई धर्मार्थ निवास-स्थान अर्थात् धर्मशाला बनवाने